किंगकोबरा ने राजपूताना व डेयरडेविल ने ब्लास्टर को हराया

युवा क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित बस्तर टी 20 लीग क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन तीन में खेले गए मैच में किंगकोबरा ने राजपूताना को 15 रनों से शिकस्त दी। वहीं दूसरे मैच में डेयर डेविल ने 10 रनों से ब्लास्टर को हराया। पहले मैच में टॉस जीतकर किंगकोबरा टीम के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

वसीम और जम्बोधर सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। मैच के पहले ओवर में कप्तान सत्यम ने जम्बोधर को बोल्ड किया। युवा क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित बस्तर टी 20 लीग क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन तीन में सोमवार को खेले गए मैच में किंगकोबरा ने राजपूताना को 15 रनों से शिकस्त दी। वहीं दूसरे मैच में डेयर डेविल ने 10 रनों से ब्लास्टर को हराया। पहले मैच में टॉस जीतकर किंगकोबरा टीम के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। वसीम और जम्बोधर सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। मैच के पहले ओवर में कप्तान सत्यम ने जम्बोधर को बोल्ड किया। जम्बोधर चार बॉल पर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैच के तीसरे ओवर में वसीम खान 10 रन बनाकर हेमन्त का शिकार बने।

टीम का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 14 रन पहुंचने के बाद पृथ्वी और अमन ने संभलकर खेलते हुए साझेदारी कर टीम को उबारने का पूरा प्रयास किया। पृथ्वी 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अमन ने तूफानी पारी खेलते हुए 50 बॉल पर 100 रन बनाए जिसमे पांच छक्के और 12 चौके भी शामिल थे। वे नॉट आउट रहे। इस प्रकार किंगकोबरा टीम ने छह विकेट खोकर 166 रन का लक्ष्य रखा। सत्यम सफल बॉलर रहे, जिन्होंने चार ओवर में किफायती 23 रन देकर दो विकेट झटका।

वहीं राहुल सिंग ने तीन ओवर मे 27 रन देकर दो विकेट लिया। मैदान में 167 रनों का पीछा करने उतरी राजपूताना के ओपनर बल्लेबाज राकेश पटेल और उपेंद्र सिंग मैदान में आए। मैच के पहले ओवर में मेहताब ने राकेश पटेल को सात रन पर आउट किया। दूसरे ओपनर उपेंद्र बगैर खाता खोले शून्य पर विकास का शिकार बने। 14 रन पर दो विकेट पतन के बाद बल्लेबाजी करने उतरे रवि ठाकुर को काली ने जीरो पर आउट कर दिया। तीन ओवर में 29 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद बैकफुट में नजर आ रही राजपूताना की टीम के लिये बल्लेबाजी करने करनदीप मैदान पर उतरे। करनदीप एक छोर से डटे रहे और अंत तक नॉट आउट लौटे। दूसरे छोर से किसी भी बल्लेबाज ने करनदीप का साथ नही दिया।

सात्रबल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नही कर पाए और 18.5 ओवर में 155 रन बनाकर पुरी टीम पैवेलियन लौट गई। इस प्रकार 11 रनों से किंगकोबरा ने जीत दर्ज किया। विकास सबसे सफल बॉलर रहे जिन्होंने चार ओवर में 33 रन देकर चार विकेट और मनीष ने तीन ओवर 28 रन तीन विकेट झटका। मेन ऑफ द मैच शतकवीर चुने गए। दूसरे मैच में डेयर डेविल ने पहले बल्लेबाजी करते 144 रन बनाए। मनीष ध्रुव ने तूफानी 55 रनों की पारी खेली। ब्लास्टर के भूपेंद्र ने तीन विकेट लिए। 144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लास्टर की टीम तय ओवर में 134 रन ही बना सकी। मनीष ध्रुव मैन ऑफ मैच चुने गए।

ब्रेकिंग न्यूज...

निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

इम्पेक्ट न्यूज. कांकेर

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत निजी डबरी, कुआ, तालाब, नरेगा आदि कार्यों की समीक्षा कर उन्हें बरसात के पहले पुर्ण कराने एवं सभी पंचायतों में कार्य चालू करने के निर्देष दिए। कन्नौजे ने समस्त जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी व मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारियो को निर्देश दिये। उन्होंने कार्य के मॉग पर मजदूरों को रोजगार प्रदाय करते हुए समय पर मजदूरी भुगतान की कार्यवाही पूर्ण करने कहा है। कांकेर जिलें में कुल नये 325 आंगनबाड़ी भवनों में 184 आंगनबाड़ी पूर्ण हो चुका है। समीक्षा के दौरान आंगनबाड़ी भवन अधूरे, अपूर्ण पाये जाने पर संबंधित सब इंजीनियर व तकनीकी सहायकों को फटकार लगाकर उन्हे समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देष दिये। जनपद पंचायत अंतागढ़, कोयलीबेड़ा के धीमी प्रगति वाले निर्माणाधीन आंगनबाड़ी से संबंधित सब इंजीनियर को कारण बताओं नोटिस जारी कर अधूरे आंगनबाड़ी को 15 जुलाई के पूर्व पूर्ण करने के निर्देष दिये हैं।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर व्याख्याता पंचायत निलंबित

इम्पेक्ट न्यूज. धमतरी

लोकसभा निर्वाचन 2019 के तहत धमतरी विधानसभा क्षेत्र के रामसागरपारा मतदान केन्द्र क्रमांक 164 में पीठासीन अधिकारी के तौर पर पदस्थ श्रृंगी ऋषि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगरी के व्याख्याता पंचायत वासुदेव साहू को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन आदेश में कहा गया है कि उक्त पीठासीन अधिकारी द्वारा लोकसभा निर्वाचन के द्वितीय चरण में 18 अप्रैल को वास्तविक मतदान प्रारंभ होने के बाद वीवीपैट मशीन खराब हो जाने पर वीवीपैट मशीन को बदलकर मॉकपोल कराया गया। इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। व्याख्याता पंचायत साहू द्वारा संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने के फलस्वरूप उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 की कंडिका 2 के (पएपएपएपप) एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में प्रावधानित धाराओं का उल्लंघन व प्रतिकूल कृत्यों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

पत्नी के हत्यारे पति को आजीवन कारावास

इम्पेक्ट न्यूज. कोण्डागांव

पति से मेला देखने गयी पत्नी की हत्या के मामले में दोष सिद्ध पाकर अपर सत्र न्यायाधीश आनंदराम ढिडही ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पुलिस की तरफ से मामले की पैरवी कर रहे लोक अभियोजक नरेश नाईक ने बताया कि मृतका मीनाबाई आरोपी सुरेश निषाद की दूसरी पत्नी थी। सुरेश अपनी पत्नी से बेहद मारपीट करता था। घटना के दिन जब मीनाबाई मेला देखने पोरांड गई और शाम तक नहीं लौटी तो वह अपने एक साथी मानसिंह के साथ उसे मेले से बाइक पर लेकर आया। घर आने के बाद सुरेश ने मीनाबाई की बेदम पिटाई कर दी और सो गया। उसके बाद सुबह उठकर वह तालाब की तरफ निकल गया। जब वह वापस आया तो देखा कि मीनाबाई मरी पड़ी हुई है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ पुलिस ने भादंवि की धारा 302 के तहत अपराध दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। इस पर न्यायाधीश ने उसे आजीवन कारावास और 5 हजार रुपए का अर्थदंड दिया।

पट्टा निरस्तीकरण को लेकर आदिवासियों ने शुरू किया विरोध

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

जल जंगल जमीन की लड़ाई कर रहे बस्तर के आदिवासियों ने वन भूमि पट्टा निरस्त किए जाने का विरोध शुरू कर दिया है। साथ ही बैलाडिला के डिपॉजिट नंबर 13 को अडानी ग्रुप को दिए जाने को लेकर भी समाज में नाराजगी है। अपने हक के लिए लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ने की बात भी कही गई है। बस स्टैंड स्थित आदिवासी समाज भवन में बड़ी संख्या में समाज के लोग इकट्ठा हुए और कहा कि बस्तर में रहने वाले आदिवासी जल जंगल और जमीन की लड़ाई वर्षों लड़ रहे हैं। जंगल की जमीन पर बसे लोगों को पट्टा देने का फैसला सरकार ने किया है और उसके तहत पट्टे भी दिए गए लेकिन अब सरकार के द्वारा पट्टा निरस्त करने का फैसला समझ से परे हैं। समाज के लोगों ने कहा कि बस्तर के आदिवासी अपने जल जंगल जमीन को बचाए रखने के लिए हर स्तर पर आंदोलन कर रहे हैं। उन्हें उनके हक से वंचित नहीं किया जा सकता है, इसके लिए लंबी लड़ाई लड़ने को भी वे तैयार हैं। इनका कहना है कि बस्तर के मूल आदिवासी जंगल पर ही निर्भर है। उसी के माध्यम से वह अपने परिवार का भरण पोषण करता हैं। उसे भी छीन लिया जाएगा तो वे कहां जाएंगे। समाज के लोगों ने यह भी कहा कि गुपचुप तरीके से प्रशासन के अधिकारी बंद कमरे में ग्रामसभा आयोजित करते हैं, जिसे बंद किया जाना चाहिए। ग्रामसभा का आयोजन गांव के लोगों के बीच होना चाहिए। बैठक में आये आदिवासी समाज के लोगों ने कहा कि जिला कार्यालय में डाटा एंट्री ऑपरेटर, सरपंच, सचिव के द्वारा ग्रामवासियों को दिये गये वन अधिकार पट्टा की सूची तैयार कर जमीन बेदखली की योजना बनाई गई है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि फर्जी ग्राम सभाओं का विरोध और जमीन बेदखली किए जाने को लेकर उग्र आंदोलन को किया जाएगा।

पत्रकार संदीप शर्मा की माता श्रीमती विमला शर्मा का निधन

रायपुर। वरिष्ठ पत्रकार संदीप शर्मा की माताश्री श्रीमती विमला शर्मा का निधन 30 अप्रेल 2019 को दोपहर में हो गया। आज शाम 4 बजे देवेन्द्र नगर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा। श्रीमती विमला शर्मा सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एनके शर्मा की धर्मपत्नी थीं। पिछले तीन महिनों से उनका इलाज मुम्बई एवं रायपुर के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा था। आज रायपुर स्थित मेकाहारा में उनका निधन हो गया। दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा एवं इस दुःख को सहन करने के लिए शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।0

समस्याओं दूर करने समितियां बनाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

इम्पेक्ट न्यूज. धमतरी

जिले में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने और इसके क्रियान्वयन को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए कृषक उत्पादक संगठनों (एफ्मीओ) की समस्याओं को लेकर आज दोपहर कलेक्टर रजत बंसल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कलेक्टर ने संगठन और शासन के परस्पर समन्वय से समस्याओं का निराकरण करने चार अलग-अलग समितियां तत्काल गठित करने के निर्देश दिए। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम में जिले के सभी संगठनों का पंजीयन कराने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज दोपहर आहूत बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी कृषक उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सर्वाधिक समस्या खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने में होने वाली वित्तीय समस्याओं से अवगत कराया। किसानों ने बताया कि एफ्मीओ की सबसे बड़ी समस्या फंडिंग की है। फंडिंग के अभाव में उत्पादों का परिवहन, वितरण एवं विपणन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा उत्पादित सामग्रियों का प्रसंस्करण नहीं हो पाने के कारण हानि उठाकर कम कीमत में उन्हें बेचना पड़ता है। इस पर कलेक्टर ने पूंजीगत वृद्धि और विपणन सहायता के लिए कृषि, लीड बैंक मैनेजर, नाबार्ड तथा कृषक संगठनों के सदस्यों का संयुक्त दल बनाकर ऋण, वित्तीय एवं अन्य व्यवहारिक दिक्कतों को दूर करने के निर्देश दिए। इसी तरह जिले में मशरूम के खपत से अधिक उत्पादन की समस्या को दृष्टिगत करते हुए कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को धात्री माताओं को दिए जाने वाले गर्म भोजन में मशरूम को मीनू में शामिल करने के लिए कहा। उन्होंने जिले को जैविक खेती के लिए रोल मॉडल बनाने में संगठनों से सहयोग करने की बात कही। इसके पहले जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय दयाराम के. ने कृषक उत्पादक संगठनों के सदस्यों से संगठनवार उनकी समस्याओं और निराकरण पर चर्चा की।

समर क्लास के विरोध में उतरे शिक्षक

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

सरकारी प्रायमरी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दिनों में समर क्लासेस लगाने राजीव गांधी शिक्षा मिशन राज्य परियोजना कार्यालय से जारी आदेश के विरोध में शिक्षकों से जुड़े कर्मचारी संगठन भी सामने आ गए हैं। संयुक्त शिक्षाकर्मी संघ के बाद अब छत्तीसगढ़ पंचायत नगरीय निकाय शिक्षक संघ ने भी बयान जारी कर समर क्लासेस की खिलाफत की है। संगठन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि प्रति वर्ष शिक्षकों एवं स्कूली बच्चों को एक मई से 15 जून तक ग्रीष्मावकाश मिलता आ रहा है। इस वर्ष शिक्षा मिशन कार्यालय ने आदेश जारी के गर्मी की छुट्टियों में सभी प्राथमिक माध्यमिक शालाओ में बच्चों को संज्ञानात्मक एवं सह संयात्मक क्षेत्र, लर्निंग आउटकम एवं बच्चों की शाला की प्रति रुचि एवं अगली कक्षा में प्रवेश के लिए तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। परियोजना कार्यालय के इस आदेश से शिक्षकों में भारी निराशा देखी जा रही है। भीषण गर्मी में स्कूली बच्चे एक तरफ परीक्षा समाप्ति के बाद शाला में नही आ रहे हैं वहीं एक मई से समर क्लासेस में बच्चों को लाना बहुत ही मुश्किल कार्य लग रहा है। संघ के जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता का कहना है कि चालू शिक्षण सत्र में कर्मचारियों ने विधानसभा व लोकसभा का चुनाव सम्पन्न कराए हैं। वर्तमान में राज्य स्तरीय आकलन परीक्षा का संचालन भी शिक्षकों ने किया है। शिक्षकों को भी अवकाश चाहिए लेकिन पिछले कुछ सालों से शासन लगातार शिक्षकों को किसी न किसी काम में ग्रीष्मावकाश में लगाती आ रही है। इससे शिक्षक समुदाय में निराश हैं। भीषण गर्मी में बच्चों के स्वास्थ्य में किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तो इसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। राजेश गुप्ता ने आगे कहा कि समूचे जिले में नवाचार करने के लिए क्या शिक्षा विभाग ही दिखता है? जो भी शिक्षक स्वेच्छा से समर क्लास में कार्य करना चाहें तो उन्हें इस कार्य में शामिल किया जावें। सभी को परेशान किया जाना उचित नहीं है।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों की बैठक में उपस्थित पदाधिकारीगण.

गोदामों में तेंदू पत्ता का स्टाक सड़ रहा, नई खरीदी हुई बंद

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

इस समय तेंदू पत्ता संग्रहण के साथ-साथ खरीदी करने का भी सिलसिला शुरू हुआ था जो विभाग ने दो दिन खरीदी करने के बाद स्थगित कर दिया है। इसका प्रमुख कारण यह है कि पूर्व के दो वर्षों में जिन तेंदू पत्ता लाटों को वन विभाग ने खरीदा था। उन लाटों की अभी तक बिक्री नहीं हो पाई है और इन लाटों का तेंदू पत्ता, गोदाम में पड़ा हुआ सड़ने की स्थिति में आ गया है। इसे बेचने के लिए वन विभाग ने कई बार निविदायें जारी की, लेकिन सभी प्रयास विफल साबित हो गये। इस प्रकार तेंदू पत्ता के लिए खरीददार नहीं मिल पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि तेजी से बढ़ते विकास के कारण आज आम ग्रामीण और श्रमिक वर्ग बीड़ी पीने से बच रहे हैं। इसके कारण बाजार में बीड़ी का उठाव कम हो रहा है। इसका परिणाम है कि तेंदू पत्ता खरीदी के लिए भी कोई रूझान पहले जैसा नहीं है। तेंदू पत्ता खरीद कर बीड़ी बनाने वाले भी आज इस काम से अपने आप को धीरे-धीरे अलग कर रहे हैं। इस संबंध में यह भी विशेष तथ्य है कि बस्तर वनवृत के चारों वन मंडलों में 75 समितियों के पास 119 लाख तेंदू पत्ता संग्रहित है और इसमें से 70 लाख भर की ही बिक्री हुई है। जबकि 49 लाट पर विभागीय खरीदी की जा रही है। इस वर्ष 1 लाख 3 हजार 200 मानक बोरा खरीदी करने का लक्ष्य है, लेकिन खरीदी बंद करने से इस लक्ष्य के पूर्ति भी नहीं हो पायेगी और संग्रहकों को मिलने वाली राशि भी नहीं मिल पायेगी। इस संबंध में विभाग के सूत्र कहते हैं कि बेमौसम बारिश से और मौसम की अनिश्चितता के कारण यह कदम उठाया गया है, जबकि असलियत कुछ और ही है।

अभियान चलाने के बाद भी सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतें

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

इस समय बस्तर में सड़क दुर्घटनाओं में तेजी आ गई है और दर्जनों मौतें इससे हो रही हैं। यह इसके बाद भी हो रहा है कि यातायात विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा चालकों को सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक अभियान चलाकर जागरूक किया जाता है। जानकारी के अनुसार बस्तर में मार्च व अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह तक कुल 15 सड़क दुर्घटनायें घटित हुई और इनमें 13 लोगों को असमय ही अपनी जान गंवानी पड़ी। इन सभी दुर्घटनाओं में वाहनों की तेज गति, हेलमेट का उपयोग नहीं और यातायात पुलिस तथा यातायात विभाग द्वारा जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति करने की कोशिश ही प्रमुख कारण रहे। उल्लेखनीय है कि इन दिनों शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर व मालवाहक वाहन सवारियों को लाने ले जाने का कार्य अधिक करते दिख रहे हैं, वहीं अंधाधुंध गति से चलने वाले चार पहिया वाहन व दो पहिया वाहन मौत के वाहन के रूप में सामने सड़क में दिख रहे हैं। इसके अतिरिक्त भारी माल वाहक वाहन जल्दी पहुंचने के फेर में तथा यात्रियों को लेकर आने वाली बसों की हड़बड़ी के कारण सड़कों पर इस समय मौत ही चलती हुई दिखाई दे रही है। इन वाहनों द्वारा यातायात नियमों का लगातार उल्लंघन किया जाता दिख रहा है।

इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती आय से दु पहिया सहित चार पहिया वाहन भी खरीदे जा रहे हैं। जिनके चालक वाहन हाथ में आते ही हवा से बाते करते दिखाई पड़ते हैं। इन सब पर नियंत्रण के लिए केवल सतही तौर पर ही उपाय दिखता है। इस संबंध में यातायात पुलिस निरीक्षक शिवशंकर गेंदले ने बताया कि मोबाइल टीम के क्षरा एनएच समेत शहर में लगातार पेट्रोलिंग की जाती हैं, वहीं नियम विरूद्ध चलने वाली वाहनों पर कार्रवाई भी चालान के रूप में लगातार की जा रही है।

निजी प्रेक्टिस से होने वाली कमाई को छोड़ नहीं सकते वरिष्ठ चिकित्सक

जगदलपुर। चाहे वह चिकित्सा महाविद्यालय के वरिष्ठ चिकित्सक हों अथवा अस्पताल के, आज शासकीय सेवा कर रहे वरिष्ठ चिकित्सक निजी प्रेक्टिस से होने वाली कमाई को छोड़ नहीं पा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि मेकॉज सहित अन्य चिकित्सालयों में वरिष्ठ चिकित्सकों की समय पर ड्यूटि के समय उपस्थिति नहीं रहती और गंभीर मरीज चिकित्सकों के अभाव में दम तोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार की स्थिति आज स्थानीय मेडिकल कॉलेज में दिखाई पड़ रही है। यहां पर वरिष्ठ चिकित्सकों की आने का और आपातकाल में उपस्थित होने का समय दोनों ही अनिश्चित रहता है। इसलिए जैसे-तैसे जूनियर डॉक्टर मरीज का उपचार करते हैं, लेकिन विशेषज्ञता के अभाव में वे भी कुछ नहीं कर पाते हैं। उल्लेखनीय है कि यह चिकित्सा महाविद्यालय यहां के निवासियों को अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था, लेकिन वरिष्ठ चिकित्सकों के समय पर उपस्थित न रहने के कारण उन्हें विशेष चिकित्सा नहीं मिल पाती है।

श्रेष्ठ कर्मों से आएगी जीवन में सुख और शांति

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी ने कहा अनैतिक तरीके सेअर्जित धन के द्वारा कभी जीवन में सुख और शान्ति प्राप्त नहीं की जा सकती है। बुरे कर्मों का परिणाम सदैव बुरा ही होता है। इसलिए अपने वर्तमान और भविष्य को सुखी बनाना चाहते हैं तो श्रेष्ठ कर्म करने होंगे। ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी रायपुर में आयोजित राजयोग अनुभूति शिविर के अन्तर्गत कर्मों की गहन गति विषय पर अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जो हम बोते हैं उसी को ही हम पाते हैं। पिछले जन्म में दूसरों के साथ हमने जो किया था उसी को ही इस जन्म में हमें भोगना पड़ता है। अतः इस जन्म में हमें क्या करना है? कैसे करना है? यह हमें सोच-समझकर कर्म करना चाहिए। अधर्म को जानकर उससे दूरी बनाकर चलना ही आत्मा का धर्म है। इस जन्म के पारिवारिक कलहों आदि के लिए पूर्वजन्म के कर्म ही दोषी होते हैं। उन्होंने बतलाया कि मनुष्य का जन्म मनुष्य के रूप में ही होता है। क्योंकि जैसा बीज वैसा ही फल मिलता है। मनुष्य अपने बुरे कर्मों की सजा मनुष्य के रूप में ही पशुतुल्य कर्म करके भोग लेता है। ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी ने कहा कि बुरे कर्म का फल बुरा ही होता है। इसी प्रकार सेवा लेते हैं तो सेवा देनी भी पड़ती है। हिंसा करते हैं तो अपाहिज बनना पड़ता है। इस प्रकार बुरा कर्म करने वालों को उसका परिणाम जानकर सचेत हो जाना चाहिए और जीवन में अच्छे कर्म ही करने चाहिए ताकि समाज में हमारे कर्मों से किसी को तकलीफ न पहुंचे। इसी प्रकार विद्यादान करने वाला व्यक्ति अगले जन्म में बुद्धिमान बनता है। अस्पताल बनाकर स्वास्थ्य का दान करने वाले को अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त होता है। दान-पुण्य करने वाले व्यक्ति धनवान बनकर जन्म लेते हैं। अच्छे कर्म करने वाले लोग श्रेष्ठ कर्मों का अच्छा फल प्राप्तकर सुखी जीवन जीते हैं। ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी ने बतलाया कि जिस प्रकार इन्जीनियर बनने के लिए इन्जीनियरिंग कालेज में पढना पड़ता है।

वकील बनने के लिए लॉ कालेज में पढना पड़ता है। डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल कालेज में पढना पड़ता है। उसी प्रकार अच्दे कर्म सिखलाने के लिए भी एक शिक्षण संस्थान की आवश्यकता होती है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ऐसा ही श्रेष्ठ कर्म सिखलाने वाला विद्यालय है।